**भारत सरकार**
**विदेश मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 2640**
**दिनांक 04.08.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**प्रतिभाशाली और कुशल कार्मिक की कमी**

2640. **श्री टी.एन. प्रथापनः**
**श्री के. सुधाकरनः**
**डॉ. अमर सिंहः**
**श्री सप्तगिरि शंकर उलाकाः**

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) निवेश की कमी के क्या कारण हैं और भारत की सॉफ्ट पावर कार्यनीतियों के विकास के बारे में सरकार द्वारा दिए गए विस्तृत वक्तव्य का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है की सॉफ्ट पावर के मोर्चे पर सरकार के प्रयासों को पूरा करने के लिए धन की कमी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सांस्कृतिक कूटनीति के निर्माण के लिए अपेक्षित प्रतिभा और कौशल से लैस कार्मिकों की गंभीर कमी से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का सरकारी एजेंसियों, जो अलग-अलग अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच कार्यकलाप संचालित कर रही हैं, के बीच समन्वय की कमी के मुद्दे का समाधान करने का इरादा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
विदेश राज्य मंत्री
(श्रीमती मीनाक्षी लेखी)

(क) और (ख) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) सहित भारत सरकार के कई मंत्रालय और एजेंसियां भारत की सॉफ्ट पावर को प्रदर्शित करने के कार्य में लगी हुई हैं। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) विदेशों में अपने सांस्कृतिक केंद्रों और मिशनों/केंद्रों के माध्यम से दुनिया भर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देती है। उनके द्वारा संचालित गतिविधियों में अन्य बातों के साथ-साथ योग, नृत्य, संगीत और हिंदी का शिक्षण, भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन/इनमें सहायता करना, विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पीठों को सहायता प्रदान करना; महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रीय नायकों की आवक्ष प्रतिमाओं/मूर्तियों को उपहार में देना, दृश्य कला प्रदर्शनियों का आदान-प्रदान करना और प्रतिष्ठित स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाना शामिल है। मंत्रालय के मार्गदर्शन में, आईसीसीआर ने सांस्कृतिक संबंधों को और विकसित करने और अन्य देशों के साथ आपसी समझ बनाने के लिए कई नई पहल की हैं, जिसमें भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, व्यंजनों, कला और शिल्प आदि को पेश करने में नए प्रयास शामिल हैं। विभिन्न ऑनलाइन कार्यकलापों के माध्यम से भी दुनिया भर में आउटरीच को बढ़ाया गया है। आईसीसीआर ने विदेशों में अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने और विदेशी देशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान की सुविधा के लिए विभिन्न राज्य सरकारों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सांस्कृतिक कूटनीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपेक्षित बजटीय सहायता प्रदान की जा रही है।

(ग) सरकार विदेश स्थित मिशनों और केंद्रों में विभिन्न स्तरों पर कार्मिकों की आवश्यकता की लगातार समीक्षा करती है। जहां भी आवश्यकता होती है, वहां कार्मिकों का उपचारात्मक पुनः आवंटन किया जाता है। आईसीसीआर दुनिया भर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए योग और प्रदर्शन कला के शिक्षकों को विदेश स्थित मिशनों/केंद्रों/भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों (आईसीसी) में भेज रहा है। भारतीय संस्कृति को लोकप्रिय बनाने के लिए आईसीसीआर योग, हिंदी, नृत्य, संगीत आदि सिखाने के लिए मिशनों/केंद्रों/आईसीसी में स्थानीय विशेषज्ञों को भी तैनात कर रहा है। विदेशी छात्रों के लिए हिंदी और प्रदर्शन कला में ऑनलाइन कक्षाएं भी एक महत्वपूर्ण संसाधन हैं।

(घ) सरकार के पास सांस्कृतिक कूटनीति और आउटरीच कार्यकलापों में शामिल विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय तंत्र मौजूद हैं। आईसीसीआर की महासभा और शासी निकाय में संस्कृति मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, लोकसभा, राज्यसभा, संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी और साहित्य अकादमी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

****